

प्रेषक,

एनोएस०नपलच्चाल,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें

प्रमुख सचिव,
परिवहन विभाग,
उत्तरांचल शासन।

राजस्य विभाग

देहरादून: दिनांक: 21 अक्टूबर, 2005

विषय:—देहरादून में चालक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना हेतु कुल 4.045 है० भूमि हस्तान्तरण के सम्बन्ध में।

गहोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी, देहरादून के पत्र संख्या-1505/12ए-21/2002-05/डीएल0आर0सी० दिनांक 24 अगस्त, 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश भूमि खसरा नम्बर-1197क रक्का 0.540 है०, खसरा नम्बर-1167घ रक्का 0.348 है०, 1175ख घि. रक्का 2.357 है०, 1176ख रक्का 0.700 है० व 1177क रक्का 0.100 है० अर्थात् कुल रक्का 4.045 है० भूमि को वित्त अनुभाग-३ उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या-260/वि०अनु०-३/2002 दिनांक 15 फरवरी, 2002 के क्रम ने परिवहन विभाग, उत्तरांचल शासन को निम्नलिखित शर्तों के अधीन निःशुल्क हस्तान्तरित करने की सहर्ष रवीकृति प्रदान करते हैं:—

- 1— भूमि पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत न हो।
- 2— जिस परियोजना के लिए भूमि हस्तान्तरित की जा रही है वह एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिए शासन से सहमति प्राप्त हो चुकी हो।
- 3— हस्तान्तरित भूमि यदि प्ररतावित कार्य से भिन्न प्रयोजन के लिए उपयोग की जाये तो उसके लिये मूल विभाग से पुनः अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

...(2)

- 4- यदि भूमि की आवश्यकता न हो या 3 वर्षों तक हस्तान्तरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए उपयोग में नहीं लाई जाती है तो उसे मूल विभाग को वापस करना होगा।
- 5- जिरा प्रयोजन हेतु भूमि हस्तान्तरित की गई है उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु किसी अन्य व्ययिता, संस्था, समिति अथवा विभाग आदि को मूल विभाग की सहमति के बिना भूमि हस्तान्तरित नहीं की जायेगी।
- 6- जिस प्रयोजन हेतु भूमि आवंटित की गई है उसकी पूर्ति के उपरान्त यदि भूमि अद्योष पड़ी रहती है, तो मूल विभाग को उसे वापस लेने का अधिकार होगा।
- 2- कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन०एस०नपलच्चाल)

प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आपुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4- एन०आई०सी० उत्तरांचल, देहरादून।
- 5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सोहन लाल)

अपर सचिव।

२-